हिन्दी साप्ताहिक

न्यूज आइकॉन

T.C. NO. MAHHIN10172

संपादक - मुर्तुजा मामाजीवाला | ईमेल: newsicon2021@gmail.com | मूल्य: रु. - 2/-

वर्ष: 1 | अंक: 54 | पृष्ठ: 8 | शुक्रवार 20 मई से 26 मई 2022

शिल्पा शेट्टी के पति राज कुंद्रा की मुश्किलें बढ़ी

ईडी ने दर्ज किया मनी लॉन्ड्रिंग का केस

नई दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने एक मामले में व्यवसायी राज कुंद्रा के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया है। मुंबई पुलिस ने भी उनके खिलाफ 2021 में मामला दर्ज किया था। राज कुंद्रा फिल्म अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के पति हैं। गौरतलब है कि फरवरी 2021 में क्राइम ब्रांच ने मुंबई में अश्लील फिल्में बनाने और उन्हें एक ऐप के जरिए पब्लिश करने का मामला दर्ज किया था। इस मामले में ही राज कुंद्रा को 19 जुलाई 2021 को गिरफ्तार किया गया था।मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच ने इस मामले में 1500 पन्ने की चार्जशीट भी दाखिल की थी, जिसमें अभिनेत्री शिल्पा शेट्टी के साथ ही शर्लिन चोपड़ा समेत 42 गवाहों का बयान शामिल किया गया था। राज कुंद्रा पर अश्लील फिल्में बनाने और वेब सीरीज में काम दिलाने का वादा करके ठगी करने का आरोप लगाया गया था। बताया गया था कि अश्लील फिल्मों को शूट करने के बाद एक ऐप पर डाला जाता था। इस ऐप के सब्सक्राइबर्स को इन फिल्मों को देखने के लिए पैसे देने पड़ते थे। मुंबई पुलिस ने जब अश्लील फिल्म बनाने के मामले की जांच की तो इसका ब्रिटेन कनेक्शन सामने आया। यूके की फर्म केनरिन (डील्ल१ल्ल) से राज कुंद्रा की फर्म वियान (श्ंल्ल) ने एक समझौता किया था। अश्लील फिल्म को अपलोड करने में केनरिन के ही एक ऐप का इस्तेमाल किया गया था। वियान फर्म का मालिकाना हक ब्रिटेन में राज कुंद्रा के एक करीबी के पास था। इस मामले में राज कुंद्रा की कंपनी वियान के आईटी हेड रेयान थोरपे को भी गिरफ्तार किया गया था। राज कुंद्रा का विवादों से गहरा नाता रहा है। इससे पहले, अभिनेत्री पूनम पांडे ने राज और उनके सहयोगियों पर उनकी तस्वीरों का गलत इस्तेमाल करने का आरोप लगाया था। हालांकि राज कुंद्रा ने इन आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया था।

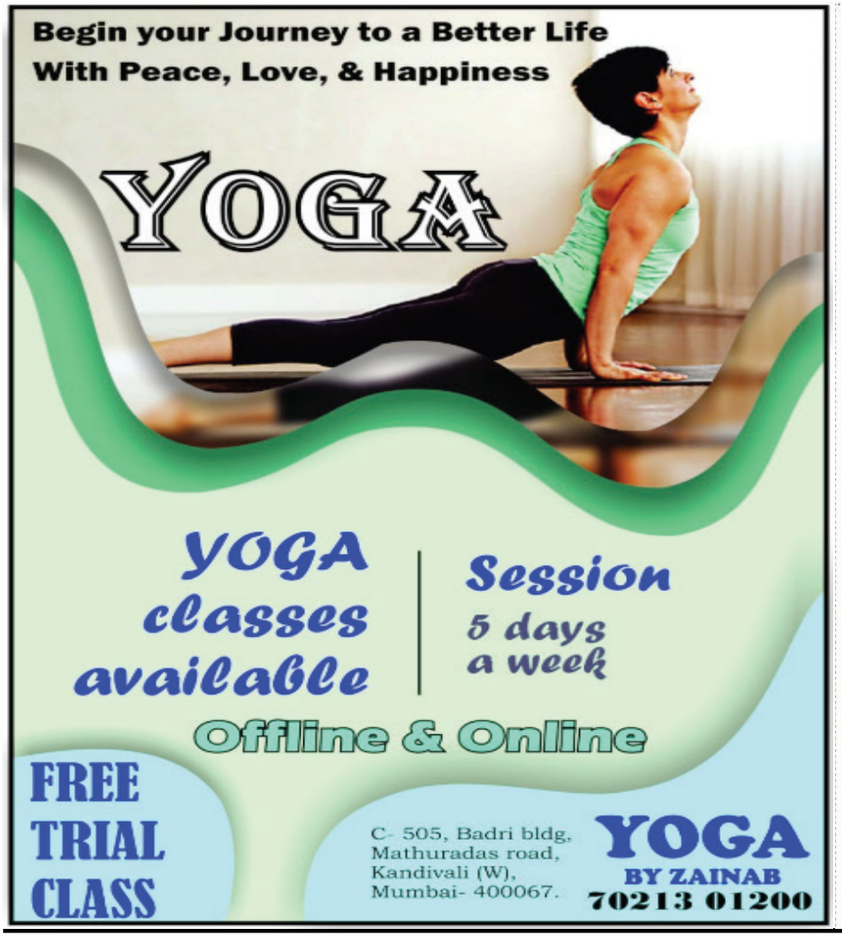

नागपुर ATS की बड़ी कामयाबी, RSS मुख्यालय की रेकी करने वाला आतंकी हिरासत में

नागपुरः नागपुर आतंक निरोधी दस्ते (ठॅस्त्र४१ अळर) ने पिछले साल जुलाई में रेशमबाग में आरएसएस के डॉ हेडगेवार स्मारक स्मृति मंदिर (ॐ ऌीींद१ रें१ै रे१३ टंल्ल्र१) की रेकी के मामले में जम्मू-कश्मीर के अवंतीपोरा से जैश ए मोहम्मद (खं२ँ ी टङ्गँ) के आतंकवादी रईस अहमद असदुल्ला शेख (फींं२ औॅ अ२ं४'' ग्रै") को हिरासत में लिया है। बता दें कि एटीएस नागपुर बीते दो दिनों से इसकी जांच कर रही है। मिली सूचना के अनुसार नागपुर एटीएस जम्मू कश्मीर पुलिस से उसे प्रोडक्शन वारंट पर हिरासत में लिया गया है। रईस अहमद असदुल्लाह शेख बीते साल जुलाई में नागपुर आया था उसने डा हेडगेवार भवन परिसर और कुछ अन्य स्थानों पर रेकी की थी। गौरतलब है कि मिलने के बाद नागपुर पुलिस संघ ने मुख्यालय की सुरक्षा और कड़ी कर दी है। बता दें कि नागपुर एटीएस जम्मू कश्मीर पुलिस से उसे प्रोडक्शन वारंट पर हिरासत में लिया गया है। रईस अहमद असदुल्लाह शेख बीते साल जुलाई में नागपुर आया था उसने डा हेडगेवार भवन परिसर और कुछ अन्य स्थानों पर रेकी की थी। गौरतलब है कि मिलने के बाद नागपुर पुलिस ने संघ ने मुख्यालय की सुरक्षा और कड़ी कर दी है। बता दें कि हेडगेवार भवन में ड्रोन पर भी प्रतिबंध लगा दिया गया था। अहमद को जम्मू कश्मीर पुलिस ने गिरफ्तार किया था, सूत्रों के अनुसार रईस ने स्वीकार किया कि उसने पाकिस्तान में जैश के आका के कहने पर आरएसएस की रेकी की थी। अब नागपुर एटीएस ने प्रोडक्शन वारंट पर रईस अहमद को हिरासत में ले लिया है। उसे जल्द ही नागपुर लाया जाएगा। गौरतलब है कि आरएसएस का मुख्यालय में हमेशा सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए जाते हैं क्योंकि

व्हाट्सऐप पर ब्लॉक किया तो प्रेमिका ने प्रेमी के घर में फंदा लगा खुदकुशी की

मुंबई. बहस के बाद प्रेमी द्वारा व्हाट्सऐप पर कथित तौर पर अपना नंबर ब्लॉक किए जाने से आहत 20 वर्षीय एक महिला ने महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई के उपनगरीय दहिसर में रेलवे ट्रैक के किनारे स्थित अपने प्रेमी के घर पर फांसी लगा ली. मुंबई पुलिसके एक अधिकारी ने बुधवार को यह जानकारी दी. उन्होंने कहा कि महिला की पहचान प्रणाली लोकारे के तौर पर हुई है जो सोमवार सुबह फंदे से लटकती हुई मिली थी. अधिकारी ने कहा, ह्यमहिला और उसका 27 वर्षीय प्रेमी बीते छह सालों से एक-दूसरे को जानते थे. रविवार की रात दोनों किसी की शादी में शामिल हुए जिसके बाद महिला ने जोर दिया कि वह प्रेमी के साथ उसके घर पर रात को रुकना चाहती है. हालांकि वह उसकी मांग पर राजी नहीं हुआ और महिला को घर जाने को कहा. उन्होंने बताया कि इसके बाद वह चली गई, लेकिन जल्द ही अपने प्रेमी को फोन करना शुरू कर दिया और फिर कहा कि वह उसके घर आना चाहती है. अधिकारी के मुताबिक, उस व्यक्ति ने उसे ऐसा न करने की सलाह देते हुए बताया कि रात में इलाके में कई नशेड़ी घूमते हैं और बाद में व्हाट्सऐप पर उसका नंबर ब्लॉक कर दिया. पुलिस ने कहा कि महिला हालांकि बाद में उसके घर पहुंच गई और व्हाट्सऐप पर उसका नंबर ब्लॉक करने को लेकर सवाल किया.

किरीट सोमैया की पत्नी मेधा सोमैया ने संजय राउत के खिलाफ दर्ज कराई मानहानि की शिकायत

मुंबई। महाराष्ट्र में शिवसेना सांसद संजय राउत की परेशानी बढ़ गई है। भाजपा नेता किरीट सोमैया की पत्नी मेधा सोमैया ने कोर्ट में संजय राउत के खिलाफ आपराधिक मानहानि की शिकायत दाखिल की है। संजय राउत ने उन पर सौ करोड़ रुपये के शौचालय घोटाले में शामिल होने का आरोप लगाया है। सीवरी मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट कोर्ट में दाखिल अपनी शिकायत में मेधा ने कहा है कि विगत माह संजय राउत द्वारा लगाए गए आरोप निराधार और अपमानजनक हैं। संजय राउत ने उन पर और उनके पति पर मीरा भायंदर नगर निगम के अधिकार क्षेत्र वाले इलाके में सार्वजनिक शौचालयों के निर्माण में सौ करोड़ रुपये के घोटाले में शामिल होने का आरोप लगाया है। उन्होंने अपनी शिकायत में कहा है कि मीडिया के सामने दिए गए बयान मानहानि करने वाले हैं। मेरी छवि को खराब करने के लिए ये बयान दिए गए। मेधा सोमैया ने इस संबंध में संजय राउत को नोटिस जारी करने का अनुरोध किया। उन्होंने संजय राउत के खिलाफ मानहानि की कार्यवाही शुरू करने की मांग की। गौरतलब है कि इसी माह भाजपा नेता किरीट सोमैया की

पत्नी मेधा सोमैया ने शिवसेना नेता संजय राउत के खिलाफ थाने में शिकायत दर्ज करवाई थी। सोमैया ने आरोप लगाया था कि शिवसेना नेता संजय राउत बिना किसी आधार के अनुचित बयानबाजी कर रहे हैं। शिकायत नवघर पुलिस स्टेशन, मुलुंड पूर्व, मुंबई में दर्ज की गई थी। मेधा किरीट सोमैया ने वरिष्ठ निरीक्षक से शिवसेना नेता के खिलाफ आईपीसी की धारा 503, 506 और 509 के तहत प्राथमिकी दर्ज करने का आग्रह किया। इससे पहले मेधा सोमैया ने संजय राउत को मानहानि का नोटिस भेजा था।

दरअसल, कुछ समय पहले संजय राउत ने कथित शौचालय घोटाले को लेकर मेघा सोमैया पर कई आरोप लगाए थे। इसके जवाब में किरीट सौम्या की पत्नी ने राउत पर पलटवार किया है। इससे पहले संजय राउत ने विमानवाहक पोत ह्यविक्रांतह्ल के घोटाले के मामले में किरीट सोमैया पर भी हमला किया था।

महाराष्ट्र में व्यक्ति ने की खुदकुशी, सुसाइड नोट में लिखा, पत्नी ठीक से साड़ी नहीं पहन सकती

औरंगाबाद. महाराष्ट्र के औरंगाबाद शहर में 24 वर्षीय एक व्यक्ति की अपने घर में कथित तौर पर आत्महत्या करने से मौत हो गई. पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी. पुलिस ने यह भी बताया कि व्यक्ति ने यह दावा करते हुए कि खुदकुशी की घटना को अंजाम दिया कि वह अपनी पत्नी से नाखुश था. मुकुंदवाड़ी थाने के एक अधिकारी ने बताया कि मुकुंदनगर निवासी समाधान साबले ने सोमवार को अपने घर में आत्महत्या कर ली. मुकुंदवाड़ी पुलिस थाने के प्रभारी ब्रम्हा गिरी ने कहा, ह्लउस व्यक्ति के कमरे से एक सुसाइड नोट बरामद हुआ है, जिसमें उसने दावा किया है कि उसकी पत्नी ठीक से साड़ी नहीं पहन सकती, न चल सकती है और न ही ठीक से बात कर सकती है.ह्ल अधिकारी ने आगे कहा कि व्यक्ति ने छह महीने पहले ही महिला से शादी की थी, जो उससे छह साल बड़ी थी, उन्होंने कहा कि आगे की जांच जारी है.दूसरी ओर, बंबई उच्च न्यायालय ने एक छात्र को कथित रूप से आत्महत्या के लिए उकसाने के मामले में महाराष्ट्र के कोल्हापुर के एक स्कूल के अध्यक्ष को गिरफ्तारी से संरक्षण देने से इनकार कर दिया. पिछले महीने पारित एक आदेश में न्यायमूर्ति विनय जोशी की पीठ ने गणपतराव पाटिल द्वारा दायर अग्रिम जमानत याचिका को खारिज कर दिया. कोल्हापुर पुलिस ने अप्रैल में आत्महत्या के लिए उकसाने के आरोप में पाटिल के खिलाफ मामला दर्ज किया था. पाटिल ने 10वीं कक्षा के एक छात्र को फटकार लगाई थी जिसके कुछ घंटों बाद उसने आत्महत्या कर ली. उच्च न्यायालय ने कहा कि आरोपी ने लड़के को अपमानजनक तरीके से डांटा था और प्रथमदृष्टया ऐसा लगता है कि लड़के को गहरा धक्का लगा था. प्राथमिकी के अनुसार लड़के के दादा ने दो अप्रैल को शिकायत दर्ज कराई थी.

राणा दंपती की 15 जून तक गिरफ्तारी नहीं करेगी मुंबई पुलिस

मुंबईः महाराष्ट्र में मुंबई पुलिस ने विशेष अदालत में कहा है कि हनुमान चालीसा विवाद में वह 15 जून तक निर्दलीय सांसद नवनीत राणा और उनके विधायक पति रवि राणा को गिरफ्तार नहीं करेगी।

पुलिस ने राणा दंपती की जमानत रद करने के लिए याचिका लगाई है। इस मामले में अगली सुनवाई अब 15 जून को होगी। मुंबई पुलिस ने राणा दंपती को 23 अप्रैल को उस समय गिरफ्तार किया था, जब उन्होंने घोषणा की थी कि वे महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे के बांद्रा स्थित निजी आवास मातोश्री के बाहर हनुमान चालीसा का पाठ करेंगे। विशेष न्यायाधीश आरएन रोकड़े ने पांच मई को मामले की सुनवाई के दौरान राणा दंपती पर कुछ शर्तें लगाते हुए उन्हें जमानत दे दी थी। इसमें एक शर्त यह भी थी कि उन्हें मामले से संबंधित कोई बयानबाजी प्रेस के समक्ष नहीं करनी है। न्यायाधीश ने यह भी कहा था कि अगर दंपती ने अदालत के आदेशों का उल्लंघन किया तो उनकी जमानत रद कर दी जाएगी। हनुमान चालीसा

का पाठ करने के मामले में 23 अप्रैल को किया गया था गिरफ्तार

इसके बाद मुंबई पुलिस ने नौ मई को विशेष अदालत का दरवाजा खटखटाकर मांग की थी कि राणा दंपती की जमानत रद कर दी जाए, क्योंकि उन्होंने जमानत की शर्तों का उल्लंघन किया है। बुधवार को महाराष्ट्र के अमरावती से लोकसभा सदस्य नवनीत राणा और बडनेरा के विधायक रवि राणा ने पुलिस की याचिका पर संयुक्त जवाब दाखिल किया।

दंपती ने कहा कि उन्होंने न तो पुलिस जांच में कोई हस्तक्षेप किया और न ही उन्होंने मामले से संबंधित कोई सार्वजनिक बयान दिया है। उन्होंने यह भी कहा कि पुलिस उनकी जमानत रद करने की मांग करने के लिए कोई ठोस कारण देने में भी विफल रही है। उनके जवाब के बाद पुलिस ने अदालत के समक्ष कहा कि वे अगली सुनवाई तक दंपती के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं करेंगे। विशेष अदालत ने इसे स्वीकार करते हुए मामले को सुनवाई 15 जून तक के लिए स्थगित कर दी।

संपादकीय

संपादक - मुर्तुजा मामाजीवाला

उन्हें मुसीबत में फिर जिन्ना याद आए

जून 1948 की एक तपती दोपहरी। पाकिस्तान के संस्थापक और बाबा-ए-कौम की हैसियत हासिल कर चुके मोहम्मद अली जिन्ना की आवाज एक ऊंची मेहराबदार इमारत के भव्य गलियारों से छन-छनकर बाहर निकल रही थी और उसमें कुछ ऐसा था कि आज भी छोटे-मोटे अंतराल के बाद किसी खास मौके पर उसकी अनुगूंज सुनाई देती रहती है। यह इमारत थी क्वेटा का स्टाफ कॉलेज, जिसे अंग्रेज हाकिमों ने अविभाजित भारत की फौज के अफसरों के प्रशिक्षण के लिए भव्य गोथिक शैली में बनवाया था। जिस समूह के सामने जिन्ना बोल रहे थे, वह उन सैनिक अधिकारियों का था, जिनके कंधों पर नवजात राष्ट्र की हिफाजत का दायित्व तो था ही, वे यह भी मानते थे कि भविष्य में उसके बने रहने का औचित्य भी उन्हीं को सिद्ध करना है। जिन्ना इसी दूसरी गलतफहमी को दूर करना चाहते थे। उन्होंने फौजी अफसरों को लगभग डांटने वाले अंदाज में बताया कि उनका काम जनता की चुनी हुई सरकार के हुक्म का पालन करना है, नीतियां बनाना नहीं। जिन्ना ने फौजी अफसरों को उनके द्वारा उठाई गई शपथ का स्मरण कराया, जिसके मुताबिक, किसी राजनीतिक गतिविधि में उनके भाग लेने की मुमानियत है। यह अलग बात है कि जिन्ना की मृत्यु के कुछ ही वर्षों के भीतर फौजी अफसरों ने अपनी शपथ भुला दी और कभी खुलेआम नागरिक सरकारों को बर्खास्त कर मार्शल लॉ लगा दिया, तो कभी ऐसी कमजोर सरकार को सहारा देकर चलाते रहे, जो उनके इशारों पर नाचती रही। इमरान खान की एक ऐसी ही हाइब्रिड सरकार थी, जिसके मंत्रियों को हर दूसरे दिन देश को आश्वस्त करना पड़ता था कि सरकार और फौज एक ही पेज पर हैं। जिन्ना की क्वेटा में दी गई चेतावनीनुमा सलाह इसलिए उद्धृत की जा रही है कि देश की हर चुनी सरकार के नेता तख्ता-पलट के बाद फौज को इसकी याद दिलाते हैं। फर्क सिर्फ यह आया है कि पिछले दिनों सरकार के गिरने के बाद जब इमरान खान और उनके समर्थकों ने पाक सेना के ऊपर हल्ला बोला, तो सेना के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी, यानी डीजी आईएसपीआर ने ही बाकायदा एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में जिन्ना के उपरोक्त भाषण का उल्लेख करके कहा कि उनका संगठन तो एक पेशेवर संस्था है, जिसका काम चुनी हुई नागरिक सरकार के आदेशों का पालन करना मात्र है और इसलिए उन्हें किसी राजनीतिक विवाद में न घसीटा जाए। दिलचस्प यह है कि देश-दुनिया में किसी से छिपा नहीं था कि नवाज शरीफ की पिछली सरकार को सेना के मौजूदा नेतृत्व ने ही तत्कालीन चीफ जस्टिस की सक्रिय मदद से स्थापित न्यायिक प्रक्रियाओं की धज्जियां उड़ाते हुए बर्खास्त कराया था। इस तथ्य को न तो इमरान सरकार के बड़बोले मंत्रियों और न ही सेना ने कभी छिपाया। वह तो जब अनुभवहीन और चापलूस सलाहकारों से घिरे इमरान ने देश को आर्थिक बरबादी के कगार तक पहुंचा दिया और आलोचना की आग से सैन्य मुख्यालय के दरवाजे झुलसने लगे, तब जनरलों ने मुंह में ठुसे गरम आलू की तरह उन्हें उगल देने का फैसला किया। एक बार फिर जिन्ना याद आए और डीजी, आईएसआई ने ही पत्रकारों के सामने सेना को राजनीति में भाग न लेने वाली संस्था और देश में सत्ता के लिए चल रही उठापटक में पूरी तरह से तटस्थ घोषित कर दिया। अब बारी थी, इमरान के बौखलाने की। उन्होंने सार्वजनिक सभाओं में ही बयान देना शुरू कर दिया कि तटस्थ तो सिर्फ जानवर हो सकता है। बहरहाल, जिस दिन सेना ने तटस्थ होने की घोषणा की, उसी दिन इमरान सरकार की उलटी गिनती शुरू हो गई और चंद महीनों में ही उसका पतन हो गया।

आज इमरान सड़क पर हैं। उनके खिलाफ विरोधी दलों ने इकट्ठे होकर साझा सरकार बना ली है और गलियों-चौराहों पर शक्ति प्रदर्शन हो रहा है। मजेदार बात है कि सभी को क्वेटा के जिन्ना याद आ रहे हैं। सैन्य मुख्यालय में सबसे ताकतवर नीति-निर्धारक संस्था कोर कमांडर्स कॉन्फ्रेंस में फौज की राजनीति में भूमिका पर गरमा-गरम बहस हुई और एक आम सहमति बनी कि उसे खुद को इससे दूर ही रखना चाहिए। जनता की याददाश्त कमजोर जरूर होती है, पर इतनी भी नहीं कि यह तथ्य भूल जाए कि हर बार राजनीति में गंद फैलाने के बाद तौबा करने वाली फौज के इस फैसले पर आंख मूंदकर यकीन करने में जोखिम है। राजनीतिज्ञों ने भी अपने-अपने स्वार्थ के अनुरूप इसका भाष्य किया है। इमरान खान के लिए तटस्थता का अर्थ विरोधियों का समर्थन है, तो नवाज शरीफ और आसिफ अली जरदारी पुराने अनुभवों को लेकर सशंकित हैं।

इसे एक बड़े दुर्भाग्य के रूप में लिया जाना चाहिए कि क्वेटा में जिन्ना के भाषण को किसी ने गंभीरता से नहीं लिया, खुद जिन्ना ने भी नहीं। इस तथ्य से तो सभी वाकिफ हैं कि फौजी नेतृत्व वाली खुफिया एजेंसी आईएसआई की स्थापना जिन्ना ने ही की थी। उसके पहले जासूसी की जिम्मेदारी इंटेलिजेंस ब्यूरो या आईबी पर थी, जो एक नागरिक संगठन था। जिन्ना ने एक फौजी गुप्तचर संस्था बनाकर राजनीतिज्ञों के पीछे उन्हें लगाया। धीरे-धीरे उनके मुंह में खून लगता गया और नतीजा हमारे सामने है।

पाकिस्तानी समाज में एक उक्ति कुछ राजनेताओं के लिए बार-बार दोहराई जाती है कि वे गेट नंबर चार की उपज हैं। इमरान सरकार के गृह मंत्री शेख रशीद तो खुद के लिए ही गर्व से कहते थे कि उनकी उम्र इस गेट से गुजरते बीती है। गेट नंबर चार रावलपिंडी में सेना मुख्यालय का वह प्रवेश द्वार है, जिससे वरिष्ठ सैन्य अधिकारी या उनके मेहमान आते-जाते हैं। पहले प्रधानमंत्री लियाकत अली खान की हत्या के बाद ज्यादातर बड़े-नेता सेना की निर्मिति हैं। इनमें से जुल्फिकार अली भुट्टो, नवाज शरीफ और इमरान खान तो प्रधानमंत्री भी रह चुके हैं। यह और बात है कि कुछ दिनों तक कठपुतली रहने के बाद जैसे ही किसी प्रधानमंत्री की स्वतंत्र फैसला लेने की महत्वाकांक्षा अंगड़ाई लेती है, सेना किसी-न-किसी तिकड़म से उसका तख्तापलट देती है। इमरान खान पहले प्रधानमंत्री हैं, जो सांविधानिक तरीके से सत्ता से हटाए गए हैं, भले ही सेना की ह्यातटस्थताह्व से यह संभव हुआ है। अब वह सड़कों पर बिफरे घूम रहे हैं और फिलहाल जनता का समर्थन उन्हें मिलता दिख रहा है। अगले साल आम चुनाव होने हैं। देखना है कि इस समर्थन को वह तब तक कितना बचा पाएंगे?

निवेशकों की भीड़ में न मचे भगदड़

एक कहावत चलती है। सावन में पैदा हुए, भादो में बारिश देखी और कहा, बाप रे बाप, ऐसी बारिश तो जिंदगी में कभी नहीं देखी। आजकल यह कहावत शेयर बाजार में चरितार्थ होती दिख रही है। खासकर उन लोगों के लिए जिन्होंने हाल में ही बाजार में कदम रखा है। हाल में का मतलब पिछले एक-दो साल में, यानी कोरोना संकट के बाद। जिस दिन लॉकडाउन का एलान हुआ था, उस दिन शेयर बाजार में भयानक गिरावट आई थी। मुंबई शेयर बाजार का सूचकांक एक दिन में करीब 4,000 अंक और 13 प्रतिशत गिरकर बंद हुआ था। निफ्टी का भी यही हाल था। कुछ दिन के लिए घबराहट भी बनी रही। अप्रैल की शुरूआत तक ही सूचकांक 41,000 की ऊंचाई से लगभग 13,000 अंक गिरकर 27,000 तक पहुंच चुका था। कमजोर दिलवालों के लिए यह खौफनाक नजारा था, लेकिन उसके बाद बाजार ने जो रफ्तार पकड़ी, वह ऐसी थी कि किसी ने कल्पना भी नहीं की थी। पिछले साल अक्तूबर तक वही सूचकांक 61,000 की नई ऊंचाई पर पहुंच गया था। यानी जिस वक्त पूरी दुनिया अपनी सबसे बड़ी चुनौती का सामना कर रही थी, भारत में बड़े से लेकर छोटे तक सारे उद्योग धंधे भारी मुश्किलों से जूझ रहे थे, जब रोटी और रोजगार के सवाल लगातार गंभीर होते जा रहे थे, उसी वक्त भारत का शेयर बाजार अपना सबसे जोरदार फरार्टा भरने में लगा था।

इसी का असर था कि भारत में तमाम ऐसे लोग जिन्होंने कभी शेयर बाजार का रुख नहीं किया था, वो शेयर बाजार की ओर खिंचे चले आए। मुंबई शेयर बाजार पर पंजीकृत निवेशकों की गिनती दस करोड़ से ऊपर जा चुकी है। सन 2020 में हर महीने औसतन चार लाख नए डीमैट अकाउंट खुलने लगे थे। 2021 में हर महीने औसतन 12 लाख अकाउंट खुले और 2022 में तो अभी तक यह गिनती 29 लाख पर पहुंच चुकी है। यानी 2020 के मुकाबले सात गुना से भी ज्यादा। तो यह करोड़ों लोगों का जो रेला शेयर बाजार की ओर आ रहा है, उसके पीछे क्या है? जब कमाई के बाकी सारे रास्ते सूखते दिख रहे हों और उसके बीच शेयर बाजार सारी आशंकाओं को धता बताकर ऊपर ही जा रहा हो, तो धीरे-धीरे आशंकाएं और डर पर विजय प्राप्त कर इंसान कमाई के रास्ते पर कदम बढ़ा ही देता है। यही हुआ भी है। जितने लोगों ने डीमैट अकाउंट खोलकर सीधे शेयरों में पैसा लगाना शुरू किया है, उनसे कहीं ज्यादा लोग म्यूचुअल फंड के रास्ते बाजार में पहुंचे हैं। यह सुरक्षित तरीका भी है। भारत में आम लोग शेयर बाजार में पैसा लगा रहे हैं, यह एक अच्छा संकेत भी है, लेकिन यह बेहद खतरनाक भी साबित हो सकता है। अच्छा इसलिए कि शेयर बाजार में लंबे समय में बड़ी दौलत बनाई जा सकती है। इसका नमूना सामने है। विदेशी निवेशक पिछले सात-आठ महीनों में भारतीय बाजार में लगभग 23 अरब डॉलर के शेयर बेच चुके हैं। यानी इतना पैसा उन्होंने बाजार से निकाला है। बाजार में उतार-चढ़ाव के बावजूद मार्च तक तो पूरी मजबूती दिखती रही और अप्रैल से अब तक भी करीब 11 प्रतिशत की गिरावट आई है। जबकि विदेशी संस्थानों का रुख पूरी तरह से बिकवाली का लग रहा है। कुछ ही साल पहले ऐसी बिकवाली से बाजार में भारी गिरावट आ जाती थी, लेकिन इस बार अभी तक बाजार संभला हुआ है, तो इसकी वजह यही है कि भारत की आम जनता ने अपना काफी पैसा बाजार में लगाया है। दुनिया के दिग्गज निवेशकों में से एक मॉर्गन स्टैनली की एक रिपोर्ट के मुताबिक, भारत की बड़ी कंपनियों में हिस्सेदारी के मामले में भारतीय निवेशक जल्दी ही विदेशी संस्थानों को पछाड़ सकते हैं। अब तक देश की सबसे बड़ी कंपनियों में सबसे बड़ा हिस्सा इन विदेशी निवेशकों के पास ही रहा है। लेकिन 2015 के बाद से जहां विदेशी हिस्सेदारी में करीब 1.5 प्रतिशत की गिरावट आई है, वहीं भारतीय संस्थानों और छोटे निवेशकों की हिस्सेदारी छह प्रतिशत बढ़ गई है।

संबंधित खबरें अडानी के हाथ लगते ही निवेशकों के लिए भी यह स्टॉक बना कोहिनूरअडानी के हाथ लगते ही निवेशकों के लिए भी यह स्टॉक बना कोहिनूर

बढ़त के साथ खुला शेयर बाजार पर शुरूआती तेजी नहीं रख पाया बरकरारबढ़त के साथ खुला शेयर बाजार पर शुरूआती तेजी नहीं रख पाया बरकरारशेयर बाजार में विदेशी निवेशकों की अंधाधुंध बिकवाली जारीशेयर बाजार में विदेशी निवेशकों की अंधाधुंध बिकवाली जारी

अमेरिकी शेयर बाजारों में रौनक से सेंसेक्स-निफ्टी हो सकता है बूस्टअमेरिकी शेयर बाजारों में रौनक से सेंसेक्स-निफ्टी हो सकता है बूस्टसुरक्षा का माहौल बना तो निवेशकों का पसंदीदा स्थान बन गया यूपीः सीएमसुरक्षा का माहौल बना तो निवेशकों का पसंदीदा स्थान बन गया यूपीः सीएम

एलआईसी शेयरों की लिस्टिंग से पहले बाजार की अच्छी शुरूआत

एलआईसी शेयरों की लिस्टिंग से पहले बाजार की अच्छी शुरूआत

वोडा, रुचि सोया समेत इन मिड-कैप शेयरों पर म्यूचुअल फंड्स ने लगाया दांव

वोडा, रुचि सोया समेत इन मिड-कैप शेयरों पर म्यूचुअल फंड्स ने लगाया दांव

अडानी विल्मर के शेयरों में लगा अपर सर्किट? खरीदने-बेचने को लेकर एक्सपर्ट की है ये सलाह

अडानी विल्मर के शेयरों में लगा अपर सर्किट? खरीदने-बेचने को लेकर एक्सपर्ट की है ये सलाह

किसी भी देश के लिए यह शुभ संकेत है कि उसका शेयर बाजार विदेशी निवेशकों से ज्यादा देशी निवेशकों के भरोसे रहे। इसीलिए वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने संसद में इन नए निवेशकों का आभार भी जताया है। लेकिन यहीं याद रखना जरूरी है कि इनमें से दो तिहाई से ज्यादा निवेशक पिछले दो साल में ही पहली बार बाजार में आए हैं और उन्होंने कभी कोई बड़ी गिरावट न देखी है, न उसका झटका महसूस किया है। यही वजह है कि बाजार के जानकार काफी समय से सावधानी बरतने की सलाह देते आ रहे थे और अब शायद वह वक्त आ चुका है, जब इस सलाह पर फिर से गौर करना जरूरी होगा। यदि सावधानी न बरती गई, तो निवेशकों की यह भीड़ कब भगदड़ में बदल जाए, पता नहीं।

अप्रैल से बाजार में विदेशी निवेशकों की बिकवाली शुरू हुई है और अब तक सेंसेक्स और निफ्टी 10 प्रतिशत से ज्यादा गिर चुके हैं। घरेलू संस्थानों और निवेशकों की खरीद का दम है कि यह झटका इतना ही है। लेकिन पिछले दो सालों से जो तेजी चल रही थी, उसके पीछे सबसे बड़ी वजह यह उम्मीद नहीं थी कि कोरोना जा रहा है और जिंदगी पटरी पर लौट रही है। बल्कि उसकी वजह यह थी .

श्रीकृष्ण जन्मस्थान और शाही ईदगाह मस्जिद मामले में आज आ सकता है फैसला

आगरा। मथुरा में श्रीकृष्ण जन्मस्थान मामले में सबसे पहला वाद दायर करने वाली रंजना अग्निहोत्री की अपील पर गुरुवार को जिला जज राजीव भारती की अदालत अपना फैसला सुना सकती है। इस मामले में सभी पक्षों की सुनवाई पांच मई को ही पूरी हो गई थी। अदालत ने अपना निर्णय सुरक्षित रखा है रंजना अग्निहोत्री ने सितंबर 2020 में सिविल जज सीनियर डिवीजन की अदालत में वाद दायर कर श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संघ और शाही मस्जिद

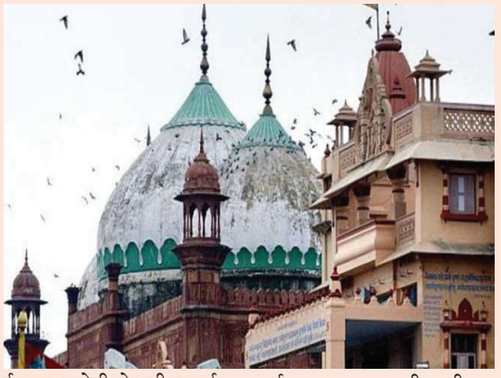

ईदगाह कमेटी के बीच वर्ष 1968 में हुए समझौते को रद करने की मांग की है। उन्होंने श्रीकृष्ण जन्मस्थान परिसर से शाही मस्जिद ईदगाह हटाकर पूरी जमीन श्रीकृष्ण जन्मभूमि ट्रस्ट को सौंपने की मांग की है। सिविल जज की अदालत से वाद खारिज होने के बाद उन्होंने जिला जज की अदालत में अपील दायर की थी।इसमें वादी के साथ ही प्रतिवादी शाही मस्जिद ईदगाह कमेटी, उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड, श्रीकृष्ण जन्मस्थान सेवा संस्थान (पूर्व में सेवा संघ), श्रीकृष्ण जन्मभूमि ट्रस्ट की सुनवाई पूरी हो गई है। इसमें अदालत को ये फैसला सुनाना है कि ये वाद आगे चलने लायक है या नहीं। अदालत ने फैसला सुनाने के लिए 19 मई की तारीख तय की है। वादी रंजना अग्निहोत्री यहां

धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने की तैयारी में योगी आदित्यनाथ सरकार

लखनऊ। प्रदेश में धार्मिक पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए प्रयासरत योगी आदित्यना थसरकार एक नई योजना जल्द शुरू करने जा रही है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए इंटीग्रेटेड टेम्पल इनफार्मेशन सिस्टम यानी समन्वित मंदिर सूचना तंत्र विकसित किया जा रहा है, जिस पर मंदिर से जुड़ी सभी जानकारियां आनलाइन उपलब्ध हो सकेंगी। धर्मार्थ कार्य विभाग ने इसके लिए एक हजार करोड़ रुपये का प्रस्ताव तैयार किया है विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा ने जो लोक कल्याण संकल्प पत्र जारी किया था, उसमें मंदिरों से संबंधित यह घोषणा भी की गई थी। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ संकल्प पत्र की उन घोषणाओं को जल्द से जल्द पूरा कराने के लिए प्रयासरत हैं। इसी के तहत मंदिरों की इस योजना पर भी काम शुरू कर दिया गया है। लक्ष्य रखा गया है कि है इसे छह माह में पूरा कर लिया जाए। सरकारी प्रवक्ता ने बताया कि धर्मार्थ कार्य विभाग ने एक हजार करोड़ रुपये का प्रस्ताव तैयार किया है, जिसके जल्द स्वीकृत होने की उम्मीद है। इसके साथ ही यूपी इलेक्ट्रानिक्स कारपोरेशन के साथ मिलकर काम शुरू कर दिया गया है। योजना के तहत आनलाइन सिस्टम पर प्रदेश के सभी प्रमुख मंदिरों की विशेषता, मान्यता, इतिहास, मार्ग आदि का ब्योरा अपलोड किया जाएगा। इसके बाद महंत-पुजारियों के लिए कल्याण बोर्ड के गठन की भी तैयारी की जाएगी। लखनऊ विश्वविद्यालय ने कालेजों और विभागों को सीटों का पूरा विवरण देने के लिए दिया समय।

बिहार में राज्यसभा चुनाव से पहले राजद और जदयू आमने-सामने, कुशवाहा के तंज पर जगदानंद बोले-

पटना। बिहार में राज्यसभा की पांच सीटों के लिए 10 जून को चुनाव होने हैं। चुनाव से पहले गहमागहमी शुरू हो गई है। विधायकों की संख्या के आधार पर जो समीकरण बन रहा है उसके मुताबिक बीजेपी से दो, राजद से दो और जदयू से एक उम्मीदवार को दिल्ली भेजा जा सकता है। सभी पार्टियों में प्रत्याशियों के चयन को लेकर मंथन का दौर जारी है। राजद की तरफ से मीसा भारती का नाम तय माना जा रहा है। लेकिन दूसरे कैंडिडेट को लेकर पार्टी के अंदर एक राय नहीं बन पा रही है। इसी को लेकर राजद की मंगलवार को हुई संसदीय बोर्ड की बैठक में तेजस्वी के शामिल नहीं होने और प्रदेश अध्यक्ष जगदानंद सिंह के बीच मीटिंग से निकल जाने पर सियासत तेज हो गई। जदयू के संसदीय बोर्ड के अध्यक्ष उपेन्द्र कुशवाहा ने तंज सकते हुए कहा है कि राजद में जो चल रहा है वो नाश का कारण बनेगा। इस पर जगदानंद सिंह ने पलटवार करते हुए .

अखिलेश यादव पर कैबिनेट मंत्री नंदी ने कसा तंज, आजमगढ़ की जनता को फिर ठगने की तैयारी

प्रयागराज में शहर दक्षिणी से विधायक चुने गए कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्त नंदी ने सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव पर बड़ा हमला बोला है। उनके आजमगढ़ दौरे पर चुटकी लेते हुए ट्वीट किया है कि ह्यअखिलेश जी क्या एक बार फिर आजमगढ़ की जनता को ठगने की तैयारी में हैंह्ण। पहले वहां के लोगों से वोट लेकर ठगा फिर बीच कार्यकाल में त्यागपत्र देकर जनादेश को धोखा दिया। उपचुनाव सामने है तो शोक संवेदना और शादी विवाह के बहाने शामिल होने पहुंच रहे नंदी ने इस ट्वीट में लिखा है कि पूरे कार्यकाल के दौरान आजमगढ़ में सपा के जिन नेताओं और कार्यकताओं की दुखद मृत्यु हुई, शोक प्रकट करने उनके घर जाना तो दूर, संवेदना के दो शब्द भी नहीं कहे। अब जब उपचुनाव सामने है तो शोक संवेदना और शादी विवाह के बहाने शामिल होने पहुंच रहे हैं। आजमगढ़ की सम्मानित जनता इस मौकापरस्ती को देख और समझ रही है। मंत्री नंदी ने यह भी लिखा है कि आजमगढ़ की जनता खुद को ठगा हुआ महसूस कर रही और अब दोबारा आपको मौका देने वाली नहीं है। मुवि में भारतीय संस्कृति की मूल चेतना पर व्याख्यान चेतना से संस्कृति का स्वरूप निर्धारण होता है। भारतीय संस्कृति में चेतना के मूल्य को खोजने की प्रवृत्ति है। आत्म चेतना मनुष्य को निरंतर गतिशील बनाए रखती है। चेतना की अभिव्यक्ति ही गतिशीलता प्रदान करती है। उक्त बातें

रुहेलखंड विश्वविद्यालय बरेली के प्राचीन इतिहास विभाग के प्रो. एके सिन्हा ने कही। वे बुधवार को राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय में भारतीय संस्कृति की मूल चेतना विषय पर व्याख्यान को बतौर मुख्यवक्ता संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मनुष्य पशुओं से इसलिए श्रेष्ठ है क्योंकि उसमें आत्म चेतना होती है।

आत्म चेतना मनुष्य को श्रेष्ठता प्रदान करती हैं। अध्यक्षता कर रहे प्रबंधन अध्ययन विद्या शाखा के निदेशक प्रो. ओमजी गुप्ता ने कहा कि भारतीय संस्कृति विश्वबंधुत्व की भावना से ओतप्रोत है। आज जहां पूरा विश्व बहुत सीमित हो गया है, वहीं पूरे विश्व को एक परिवार के रूप में देखने की भारतीय संस्कृति की परिकल्पना साकार हो रही है। इससे पूर्व अतिथियों का स्वागत समाज विज्ञान विद्या शाखा के प्रभारी प्रोफेसर एस कुमार ने किया। संचालन डा. सुनील कुमार व आभार ज्ञापन डा. त्रिविक्रम तिवारी ने किया।

कविता

कहै कबीर दीवाना-ओशो

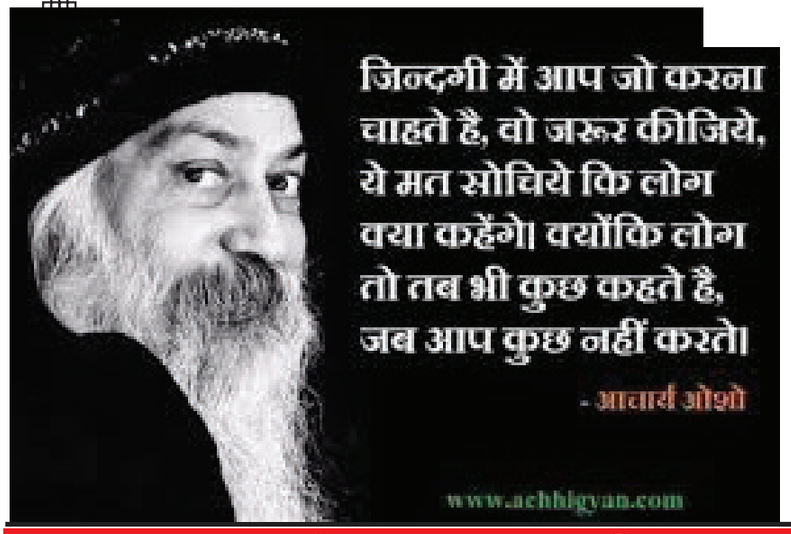

सवाल गलती का है ही नहीं। खोजनेवाले को कभी मिलता ही नहीं। जो खोने को तैयार है, उसको मिलता है। खोना ही उसे पाने का ढंग है। क्योंकि वह खुद खोया हुआ है। तुम भी वैसे ही हो जाओ, तत्क्षण मेल हो जाता है। तुम अनुपस्थित हो जाओ। तुम्हारा अहंकार चला जाए। तुम न रहो। तुम ऐसे हो जाओ, जैसे हो ही नहीं, तत्क्षण मेल हो गया। भीतर का आकाश बाहर के आकाश से मिल गया। और तब प्रेम का परम प्रकाश प्रकट होता है। तब प्रेम का गौरीशंकर उठता है, प्रेम, मोक्ष है। क्योंकि प्रेम तुमसे ही मुक्ति है। प्रेम परम प्रकाश है। क्योंकि तुम्हारे अहंकार के अतिरिक्त और कोई अहंकार नहीं है। सब तरफ सूरज उगा है। एक तुम आंख बंद किए बैठे हो। आंख खुली प्रकाश ही प्रकाश।

ऐसी जिसे प्रतीति होने लगे--ऐसी प्रतीति कब होती है ? जब तुमने व्यक्तियों का प्रेम जाना हो और उस प्रेम की विफलता भी। **जारी...**

बालों को तेजी से बढ़ाने के लिए इस तरह करें जैतून के तेल का इस्तेमाल

हम में से अधिकतर लोग बालों के झड़ने की समस्या से परेशान रहते हैं. बाल झड़ने के कई कारण हो सकते हैं. इसमें खराब जीवनशैली, खानपान और रासायनिक प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करना आदि शामिल है. अगर समय रहते इस समस्या पर ध्यान न दिया गया तो बालों की स्थिती खराब भी हो सकती है.ऐसे में आप बालों के लिए कुछ प्राकृतिक तरीके भी अपना सकते हैं. ये बालों को झड़ने से रोकने और बालों को बढ़ाने में मदद करते हैं. आप हेल्दी बालों के लिए जैतून के तेल का इस्तेमाल कई तरीके से कर सकते हैं.जैतून का तेल गरम करें. हल्का ठंडा हो जाने के बाद तेल को स्कैल्प पर लगाएं और कुछ मिनट तक मसाज करें. इसे 30-40 मिनट के लिए या हो सके तो रात भर के लिए छोड़ दें. माइल्ड शैम्पू से धो लें. ऐसा आप हफ्ते में 2 से 3 बार कर सकते हैं.रस निकालने के लिए 6-7 लहसुन की कलियों को क्रश करें और फिर इसे थोड़े ठंडे जैतून के तेल में मिलाएं. इसे गर्म करें और फिर आंच से उतार लें. इसे एक तरफ रख दें. इससे स्कैल्प और बालों पर मसाज करें. इसे एक घंटे के लिए लगा रहने दें. इसके बाद माइल्ड शैम्पू का इस्तेमाल करें और बाल धो लें. इसका इस्तेमाल आप

हफ्ते में 2 बार कर सकते हैं. एक बाउल में 2 टेबल स्पून कोल्ड प्रेस्ड ऑलिव ऑयल लें. इसमें कुछ ताजा निचोड़ा हुआ नींबू का रस मिलाएं. एक साथ मिलाएं और इससे अपने स्कैल्प और बालों पर मसाज करें. वैकल्पिक रूप से आप जैतून के तेल में नींबू के एसेंशियल ऑयल की 4-5 बूंदें मिला सकते हैं. इसे 30 से 40 मिनट के लिए बालों पर लगा रहने दें. इसके बाद माइल्ड शैम्पू से धो लें. सप्ताह में 1 या 2 बार इसका इस्तेमाल कर सकते हैं.अदरक लें और इसे कद्दूकस कर लें. कद्दूकस किए हुए अदरक का रस निकाल लें और इसमें दो बड़े चम्मच कोल्ड प्रेस्ड ऑलिव ऑयल मिलाएं और सामग्री को एक साथ मिलाएं. इस मिश्रण को बालों और स्कैल्प पर लगाएं. कुछ मिनट के लिए इससे बालों की मसाज करें. इसे 30 से 40 मिनट के लिए लगा रहने दें. इसके बाद माइल्ड शैम्पू से धो लें. सप्ताह में 2 बार इसका इस्तेमाल कर सकते हैं. एक बाउल में दो अंडे तोड़ें और अच्छी तरह फेंटें. इसमें थोड़ा शहद मिलाएं और दो बड़े चम्मच कोल्ड प्रेस्ड ऑलिव ऑयल भी मिलाएं. सामग्री को मिलाएं और इसे पूरे स्कैल्प और बालों की लंबाई पर लगाएं.

हॉलीवुड डेब्यू फिल्म को लेकर नर्वस हैं आलिया भट्ट

बॉलीवुड में अपनी एक्टिंग से लोगों का दिल जीतने के बाद अब आलिया भट्ट हॉलीवुड में धमाल मचाने के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। अब जानकारी आ रही हैं कि एक्ट्रेस अपनी हॉलीवुड डेब्यू फिल्म की शूटिंग के लिए रवाना हो गई हैं, लेकिन शूटिंग पर जाते वक्त आलिया थोड़ी नर्वस हो गई हैं।एक्ट्रेस के फिल्म हार्ट ऑफ स्टोन की शूटिंग में शामिल होने की जानकारी खुद आलिया भट्ट ने अपने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर के साथ पोस्ट साझा कर दी है। तस्वीर में एक्ट्रेस सेल्फी लेती हुई दिख रही हैं, इस दौरान वो बेहद खूबसूरत दिख रही हैं। इस सेल्फी को इंस्टाग्राम हैंडल पर शेयर कर आलिया ने लिखा, और मैं अपनी पहली हॉलीवुड फिल्म की शूटिंग के लिए जा रही हूं। मैं बार-बार एक न्यू कमर की तरह महसूस कर रही हूं और बहुत नर्वस हूं। मेरे लक के लिए विश करें।

वहीं, आलिया की इस पोस्ट के सोशल मीडिया पर सामने आने के बाद फैंस के साथ-साथ बॉलीवुड कलाकार उनकी पोस्ट पर कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया दे रहे हैं और का हौसलाफजाई कर रहे हैं। अभिनेता अर्जुन कपूर ने उन्हें इंटरनेशनल खिलाड़ी बताया है, जबकि एक्ट्रेस की मां

सोनी राजदान, रिदधिमा कपूर साहनी, पूजा भट्ट, आकांक्षा रंजन कपूर और मनीष मल्होत्रा ने भी कमेंट कर एक्ट्रेस को सपोर्ट किया है।

आपको बता दें, हार्ट ऑफ स्टोन में आलिया भट्ट गैल गैडोट और जेमी डोर्नन के साथ अहम किरदार में निभाती हुई दिखाई देंगे। आलिया की हॉलीवुड डेब्यू फिल्म का एलान मार्च, 2022 में नेटफ्लिक्स ऑफ इंडिया ने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल पर एक पोस्ट साझा कर दी थी। वहीं, बात अगर उनके वर्कफ्रंट की करें तो आलिया भट्ट हार्ट ऑफ स्टोन के अलावा फिल्म रॉकी और रानी की प्रेम कहानी को लेकर भी काफी चचाओं में हैं। इस फिल्म में वो एक मध्यम वर्गी परिवार की लड़की का रोल निभा रही हैं। फिल्म में उनके साथ अभिनेता रणवीर सिंह मुख्य किरदार में नजर आने वाले हैं।

जबकि दिग्गज अभिनेता धर्मेंद्र और शबाना अजामी रणवीर सिंह के पिता का किरदार निभा रहे हैं। हाल ही में निर्देशक करण जौहर ने फिल्म की रिलीज डेट का एलान किया है। रॉकी और रानी की प्रेम कहानी 10 फरवरी, 2023 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

गुजरात के खिलाफ मैच में आरसीबी जीती तो बाहर होगी ये दो टीमें

नई दिल्ली। वानखेड़े के ऐतिहासिक मैदान पर बैंगलोर और गुजरात की टीम आखिरी लीग मैच में आमने-सामने होगी। एक तरफ जहां गुजरात पहले ही प्वाइंट्स टेबल में नंबर वन का स्पाट हासिल कर चुकी है तो वहीं दूसरी तरफ बैंगलोर को जीत के साथ अपने नेट रन रेट में भी सुधार करना होगा। फिलहाल आरसीबी की टीम 14 अंकों के साथ 5वें नंबर पर है और यदि गुजरात के खिलाफ इस मैच में वो जीत दर्ज करने में कामयाब हो जाती है तो प्वाइंट्स टेबल में वो टाप चार में अपनी जगह बना लेगा। हालांकि प्लेआफ को लेकर उसे दिल्ली और राजस्थान के बाकी बचे मैचों के परिणाम पर निर्भर रहना होगा। गुजरात और बैंगलोर की टीम इस सीजन में दूसरी बार भिड़ेगी। दोनों ही टीमें पहली बार 30 अप्रैल को ब्रेबोन के स्टेडियम पर भिड़ी थी जहां बाजी गुजरात ने मारी थी। पहले बल्लेबाजी करते हुए इस मैच में विराट कोहली के 58 और रजत पाटीदार के 52 रनों की पारी के दम पर आरसीबी ने 170 रन बनाए जिसे गुजरात की टीम ने आखिरी ओवर में 4 विकेट खोकर हासिल कर लिया था। ऐसे में आरसीबी के पास पिछली हार का बदला लेने का मौका है।गुजरात के खिलाफ मैच में तीन टीमों का भविष्य दांव पर लगा है। पहली टीम तो खुद आरसीबी है जिसे प्लेआफ की उम्मीदों को जिंदा रखने के लिए हर हाल में जीत चाहिए। यदि आरसीबी की टीम जीत जाती है तो पंजाब किंग्स और सनराइजरर्स हैदराबाद की टीम आइपीएल से बाहर हो जाएगी। फिलहाल पंजाब की टीम 7वें नंबर पर और हैदराबाद की टीम 8वें नंबर पर है। दोनों के खाते में 12-12 अंक हैं .

लखनऊ के खिलाफ कोलकाता की हार लेकिन रिंकू ने खेली ऐसी पारी जिसे नहीं भूल पाएंगे फैंस

नई दिल्ली। लखनऊ और कोलकाता की टीम जब आइपीएल 15 के अपने आखिरी लीग मैच में आमने-सामने आई तो रोमांच से भरे इस मैच में भले आखिरी गेद पर लखनऊ की टीम ने जीत दर्ज कर ली लेकिन कोलकाता के युवा बल्लेबाज रिंकू सिंह ने अपनी पारी से फैंस का दिल जीत लिया। 211 रनों का पीछा करते हुए कोलकाता की जीत की उम्मीद उस वक्त खत्म हो गई जब 17वें ओवर में आंद्रे रसेल आउट हो गए। रसेल के विकेट के बाद किसी ने नहीं सोचा था कि कोलकाता की टीम लक्ष्य के आस-पास भी पहुंच पाएगी।लेकिन कोलकाता के युवा बल्लेबाज रिंकू सिंह के दिमाग में कुछ और ही चल रहा था और उनका साथ दिया सुनील नरेन ने, दोनों ने आखिरी 19 गेंदों पर 58 रन की विस्फोटक पारी खेलकर कोलकाता को एक वक्त मैच में जीत के करीब ले आए थे। लेकिन एविन लुइस के बेहतरीन कैच ने इनकी मेहनत पर पानी फेर दिया।रिंकू सिंह ने 15 गेंदों पर 40 रन की पारी खेलकर फैंस का दिल जीत लिया और कोलकाता के लिए असंभव दिख रहे जीत को एक उम्मीद दी। हालांकि वो अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके लेकिन उन्होंने अपनी पारी से सबका दिल जीत लिया। उन्होंने 40 रन की पारी में 2 चौके और 4 छक्के लगाए जिसमें से 2 छक्के तो उन्होंने आखिरी ओवर में लगाए जब टीम को 21 रनों की दरकार थी।

5 साल से अपनी बारी का इंतजार करने वाले रिंकू सिंह को इस बार श्रेयस अय्यर की कप्तानी में मौका मिला और उन्होंने अपनी बल्लेबाजी से साबित कर दिया कि वो लंबी रेस के घोड़े हैं।

विराट के सामने होंगे खतरनाक राशिद, जानें कब और कहां देखें यह मुकाबला

नई दिल्ली,आनलाइन डेस्क। इंडियन प्रीमियर लीग के 67वें मैच में फाफ डु प्लेसिस की टीम बैंगलोर का मुकाबला सीजन की नंबर वन टीम गुजरात से होगा। आरसीबी के लिए यह मुकाबला बेहद जरूरी है क्योंकि उसे केवल जीत नहीं बल्कि अपने नेट रन रेट में सुधार भी करना होगा। पिछले मुकाबले में हार कर यहां पहुंची आरसीबी की टीम के लिए यह आखिरी मौका है कि वो अपने स्टार बल्लेबाजों से सजी टीम का दम दिखाएं। विराट कोहली को बड़े मैच का खिलाड़ी कहा जाता है ऐसे में आज उनसे एक चमत्कारिक पारी की उम्मीद होगी। उनके अलावा डु प्लेसिस, मैक्सवेल और दिनेश कार्तिक जैसे खिलाड़ियों को जिम्मेदारी लेनी होगी।

दूसरी तरफ गुजरात की टीम नंबर वन के स्थान पर कब्जा कर चुकी है और उसके पास खोने के लिए कुछ नहीं है। ऐसे में टीम और भी खतरनाक हो जाती है जिससे आरसीबी को बचना होगा। यदि आप भी आरसीबी के लिए करो या मरो वाले इस मैच का आनंद लेना चाहते हैं तो आइए मैच से जुड़ी कुछ अहम बातों को जान लेते हैं।कहां खेला जाएगा बैंगलोर और गुजरात के बीच ये मैचबैंगलोर और गुजरात के बीच ये मैच वानखेड़े स्टेडियम में खेला जाएगा। कितने बजे शुरू होगा बैंगलोर और गुजरात के बीच ये मैच बैंगलोर और गुजरात के बीच ये मैच शाम 7.30 बजे शुरू होगा। कितने बजे होगा बैंगलोर और गुजरात के बीच इस मैच का टास? बैंगलोर और गुजरात के बीच इस मैच का टास शाम 7 बजे होगा।

महाराष्ट्र की राजनीति के केंद्र में प्रभु श्रीराम की अयोध्या

मुंबई : प्रभु श्रीराम की अयोध्या लंबे समय से भारत की राजनीति के केंद्र में रही है। लेकिन इन दिनों वही अयोध्या महाराष्ट्र की राजनीति में सुर्खियां बटोर रही है। एक तरफ मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे अयोध्या के विवादित ढांचे को ढहाने का श्रेय शिवसैनिकों को देकर खुद को असली हिंदू सिद्ध करने का प्रयास करते रहते हैं, तो वहीं पूर्व मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस दावा कर चुके हैं कि ढांचा ढहने के दिन, यानी छह दिसंबर, 1992 को वह स्वयं अयोध्या में मौजूद थे। उस दिन उन्होंने शिवसेना के किसी नेता को अयोध्या में नहीं देखा। इन दिनों इन दोनों से अलग महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के अध्यक्ष राज ठाकरे भी अयोध्या जाने की योजना बना रहे हैं। जबकि कई लोग खुद को मुंबई के उत्तरभारतियों का हितैषी बताते हुए इन दिनों राज ठाकरे की प्रस्तावित अयोध्या यात्र का विरोध करते दिखाई दे रहे हैं। क्योंकि वर्षो पहले मुंबई में उत्तरभारतियों को राज ठाकरे के हिंसक आंदोलन का शिकार होना पड़ा था।दरअसल, अगले कुछ महीनों में ही महाराष्ट्र के कई प्रमुख नगर निगमों के चुनाव होने हैं। इनमें मुंबई महानगरपालिका भी शामिल है, जहां पिछले 30 वर्षो से शिवसेना सत्ता में है। कहा जाता है कि शिवसेना की जान मुंबई महानगरपालिका में ही बसती है। लेकिन मुंबई महानगरपालिका के पिछले चुनाव में भाजपा उनसे सिर्फ दो सीट पीछे रही थी। इस बार भाजपा शिवसेना

को मुंबई महानगरपालिका की सत्ता से हटाने के लिए पूरा दम लगा रही है। शिवसेना के विरुद्ध भ्रष्टाचार के मुद्दे उठाने से लेकर समाज के अलग-अलग वर्गो को जोड़ने की कोशिश भाजपा द्वारा की जा रही है।बीते दिनों ऐसा ही एक कार्यक्रम गोरेगांव उपनगर में ह्यहिंदीभाषी महासंकल्प सभाह्ण के रूप में हुआ, जहां देवेंद्र फडणवीस सहित सभी भाजपा नेताओं ने हनुमान चालीसा का पाठ किया। वास्तव में जब से नवनीत राणा एवं उनके विधायक पति रवि राणा को मुख्यमंत्री के निजी निवास मातोश्री के बाहर हनुमान चालीसा पढ़ने की घोषणा के बाद राजद्रोह के आरोप में गिरफ्तार किया गया, तब से हनुमान चालीसा भी उद्धव ठाकरे को चिढ़ाने का एक माध्यम सी बन गई है। उद्धव ठाकरे इस चिढ़ से ही पीछा छुड़ाने के लिए बार-बार यह कहते सुनाई देते हैं, उन्हें हिंदुत्व किसी से सीखने की जरूरत नहीं है। उद्धव ठाकरे यह दावा करके कांग्रेस-राकांपा जैसे सेक्युलर दलों के साथ सरकार चलाते हुए भी शिवसेना का हिंदुत्ववादी चेहरा लगाए रखना चाहते हैं। इन दिनों राज ठाकरे की सक्रियता भी उद्धव ठाकरे की मुसीबत बढ़ानेवाली लग रही है। क्योंकि जो शिवसैनिक हिंदुत्व के प्रति उद्धव ठाकरे की उदासीनता के कारण भाजपा के साथ नहीं जाना चाहते, वे राज ठाकरे के साथ जा सकते हैं। हाल ही में मस्जिदों से लाउडस्पीकर उतरवाने के लिए राज ठाकरे द्वारा चलाया गया आंदोलन ऐसे शिवसैनिकों को काफी आकर्षित कर रहा है। इसी बीच राज ठाकरे ने भी अयोध्या जाकर रामलला के दर्शन करने की घोषणा कर दी है।

URGENTLY REQUIRED FEMALE STAFF
VACANCY VACANCY
ICON OPTICAL GALLERY
Urgently Required Female Staff
Accountant Cum Sales Girl For Counter Sell.
Note : Must Have Computer Operating Knowledge
Contact Us : 9819292152
Shop No. 52, R.N.A. Arcade, Lokhandwala Complex, Andheri (West), Mumbai - 400 053
murtaza12152@yahoo.com

TASNEEM COLLECTION
Online Shopping Hub
Only of Ladies Bags, Kurtis, Accessories
Kitchen & Household items
Baby products
Plastic items
And much more.....all under one roof
Best business apportunity for housewives to become reseller & earn at zero investment
RH 1, C 26 row house number, Swamy Ayyappam temple road, Sector. 8, New Mumbai, Vashi-400 703
Farida Rampurawala : 8898065152

स्वत्वाधिकारी, प्रकाशक एवं मुद्रक संपादक – मुर्तुजा मामाजीवाला के द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, युनिट नं. 4, ग्राउंड फ्लोअर, एन. के इंडस्ट्रिअल इस्टेट , ऑफ आरे रोड , प्रवासी इंडस्ट्रिअल इस्टेट के पास , गेट नं. 2, गोरेगाव (पूर्व),मुंबई - 400063 से मुद्रित कर शिव वातुक सेना कासिम नगर नियर लक्ष्मी इस्टेट न्यू लिंक रोड, अधेरी (प),मुंबई -400053 प्रकाशित । संपादक : मुर्तुजा मामाजीवाला मों. 9819199997
■ T.C. NO. MAHHIN10172 ■ ईमेल : newsicon2021@gmail.com ■ newsicon.net